हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
सोमवार, 05 फरवरी 2018, बरेली, पांच प्रदेश, 20 संस्करण, नगर
www.livehindustan.com

PAGE NO. 2 : BOTTOM

एसआरएमएस में 'फीटो मैटरनल मेडिसिन विज्ञान' विषय पर हुआ सेमिनार, डॉक्टरों ने गर्भवस्था के दौरान होने वाली समस्याओं के बारे में बताया

गर्भवती की सही देखभाल से ही कम होगी मातृ-शिशु मृत्यु दर

बरेली | वरिष्ठ संवाददाता

श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडीकल साइंसेज में रविवार को गर्भावस्था में होने वाली समस्या, बीमारी, प्रसव के दौरान बरती जाने वाली सावधानी और मां-बेटे की देखभाल समेत कई मुद्दों पर विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपने विचार साझा किए। मौका था फीटो मैटरनल मेडिसिन (मातृ भ्रूण चिकित्सा) विज्ञान विषय पर आयोजित एक दिवसीय सेमिनार का। इसमें कई स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉक्टर शामिल हुए।

सेमिनार में चिकित्सकों ने कहा कि अगर गर्भवती की उचित देखभाल और सुरक्षित प्रसव हो तो मातृ-शिशु मृत्यु दर में काफी कमी आ सकती है। डॉक्टरों ने इस दिशा में हुए नए अनुसंधानों और इलाज की अत्याधुनिक पद्धति की जानकारी दी। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के चेयरमैन देव मूर्ति, विशिष्ट अतिथि एम्स नई दिल्ली की डॉ. वत्सला, कमांड हॉस्पिटल लखनऊ डॉ. आरके थापर, फोग्स की अध्यक्ष डॉ. नीरा अग्रवाल, संस्थान के प्राचार्य डॉ. एसबी गुप्ता, कार्यक्रम के चेयरपर्सन एवं संस्थान के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष डॉ. जेके गोयल, कार्यक्रम सचिव डॉ. शशिबाला ने दीप जलाकर किया।

इस दौरान संस्थान के चेयरमैन ने अतिथियों को पौधा और स्मृति चिन्ह भेंट किया। सीएमई के चेयरपर्सन डॉ. जेके गोयल ने अतिथियों का स्वागत किया। प्राचार्य डॉ. एसबी गुप्ता ने संस्थान में चिकित्सा क्षेत्र में हो रही नवीनतम अनुसंधानों की जानकारी दी। सचिव डॉ. शशिबाला आर्या ने चिकित्सकों और अतिथियों का आभार व्यक्त किया। सेमिनार में देश के विभिन्न स्थानों से लगभग 200 से अधिक चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ ही पीजी छात्रों ने भाग लिया। पैनल डिस्कशन भी हुआ।

मां और शिशु की उचित देखभाल आवश्यक

ऋषिकेश एम्स की डॉ. लतिका चावला ने गर्भावस्था के दौरान मां और गर्भस्थ शिशु में होने वाले परिवर्तन की जानकारी दी। उन्होंने इस दौरान होने वाली जांच और इलाज के बारे में बताया। कहा कि गर्भवती की उचित देखभाल से मां-शिशु की मृत्यु दर में कमी आ सकती है।

गर्भावस्था में जांच जरूरी

एम्स नई दिल्ली की डॉ. वत्सला डडवाल ने गर्भावस्था में जांच को बेहद जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि गर्भावस्था में महिला के शरीर में कई परिवर्तन होते हैं। प्रसव अवस्था से लेकर शिशु के जन्म तक जरूरी है कि गर्भवती की लगातार चिकित्सकीय जांच हो। उन्होंने प्रसव के समय होने वाली समस्याओं और उनके उपचार के बारे में बताया।

श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडीकल साइंसेज में रविवार को विशेषज्ञों ने गर्भावस्था में होने वाली समस्या और प्रसव के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी।

शिशु की करें विशेष देखभाल

लखनऊ कमांड हास्पिटल के डॉ. आरके थापर ने बताया कि कम वजन वाले शिशुओं की देखभाल कैसे करें। उन्होंने कहा कि कम वजन वाले शिशु की जांच और इलाज के दौरान डॉक्टरों को धैर्य बनाए रखना चाहिए। कम वजन वाले बच्चों का शरीर अधिक संवेदनशील होता है और उनका इलाज काफी चुनौतीपूर्ण होता है।

भ्रूण विसंगतियों पर दी जानकारी

सेमिनार में एसजीपीजीआई लखनऊ की डॉ. दीप्ती, आरआर हॉस्पिटल की डॉ. रीना, कमांड हॉस्पिटल के डॉ. वी. वर्मा आदि ने भी प्रसव की विभिन्न अवस्थाओं और भ्रूण विसंगतियों पर जानकारी दी। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में इस दौरान होने वाली विसंगतियों के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए सरकार की योजनाओं के बारे में बताया।